संस्कृति एवं सभ्यता में अन्तर
Difference between culture and civilization

मैकाइवर एवं पेज ने सभ्यता एवं संस्कृति के बीच मुख्य रूप से चार अन्तर बताए हैं जो निम्नलिखित है —

(1) सभ्यता का ठोस माप संभव है पर संस्कृति का नहीं : —

सभ्यता की वस्तुओं का संबंध उसकी उपयोगिता एवं कार्यकुशलता से है, इसलिए इसका माप आसानी से किया जा सकता है। जैसे — हम आसानी से कह सकते है कि बैलगाड़ी की तुलना मे साइकिल ज्यादा तेज चल सकती है। साइकिल की तुलना मे मोटरकार अधिक तेज चल सकती है और मोटरकार की तुलना मे हवाई जहाज ज्यादा तेजी से चल सकता है।

दूसरी तरफ संस्कृति का हम उतनी आसानी एवं ठोस ढंग से मूल्यांकन नहीं कर सकते है, क्योंकि संस्कृति को मापने के लिए कोई वस्तुनिष्ठ मापदण्ड नहीं बनाया जा सकता है। उदाहरण के लिए यह कहना कठिन है कि कालिदास की तुलना मे शेक्सपियर बड़े नाटककार थे। उसी प्रकार हम यह कह नहीं सकते है कि आइंस्टीन, कार्ल मार्क्स से बड़े चिन्तक थे।

(2) सभ्यता मे निरन्तर प्रगति होती है, पर संस्कृति मे नहीं : —

सभ्यता उन्नतशील है और यह एक दिशा मे निरन्तर प्रगति करती है जब तक कि उसके मार्ग मे कोई बाधा न आ जाये। सभ्यता की प्रत्येक उपलब्धि का पूरा पूरा लाभ उठाने एवं उसमे सुधार करने का कार्य तब तक जारी रहता है, जब तक कि उसमे श्रेष्ठ कोई नया आविष्कार न हो जाये जैसे —